सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद – ३८०००४.

सत्संग प्रवेश – २

रविवार, १० जुलाई, २०११ | समय : दोपहर २.०० से ४.१५ | कुल गुण : ७५

केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक – A तथा पत्रक – B के साथ वापस भेजना है ।

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन [ ][ ] दिनांक [ ][ ] महिना [ ][ ][ ][ ] वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास ....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर ....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . .

ચેકર - નામ

परीक्षक के हस्ताक्षर

....

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**
६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**
११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID.**
6. Marks for Question → | 1 Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''आज आपकी बातों से उनका शुद्ध स्वरूप मैं समझ सका ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

२. ''वह नाई का थैला काँख में दबाकर निर्मानी बनकर खड़े हैं ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

३. ''और कोई दूसरा भी मर गया हो तो कह देना ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. महाराज के हाथ में फफोले ऊठ आये ।

....

....

....

....

.... गुण : २

२. श्रीजीमहाराज ने सच्चिदानन्द स्वामी को विमुख कर दिया ।

....

....

....

....

.... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	

३. सत्यकाम के चेहरे पर ब्रह्मतेज झलकने लगा ।

....

....

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ 'नित्यकर्म' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. श्रीजीमहाराज ने किसका नाम 'माताजी' रखा ? गुण : १

....

....

२. रत्नाकर और चार भाईयों की बात करके योगीजी महाराज क्या उपदेश देते थे ? गुण : १

....

....

३. राणा राजगर और उनके भाईयों ने श्रीजीमहाराज के पास क्या माँगा ? गुण : १

....

....

४. आत्मानन्द स्वामी को महाराज के प्रत्यक्ष दर्शन कहाँ हुए ? गुण : १

....

....

५. सौभाग्यवती - सधवा का वेश धारण किया तब किसी ने लाधीबाई को क्या कहा ? गुण : १

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - ६ **का निरूपण कीजिए । (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५		प्र-६	

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. पुरुषोत्तमनारायण..

....

.... सहजानन्दजी । | गुण : २ | |

२. छपैयापुरमां ....

....

....

.... धरावता हो । | गुण : २ | |

३. एकान्तिकं स्थापयितुं ....

....

.... नमामि । | गुण : २ | |

४. सर्वधर्मान् ...... मा शुचः ॥ – श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

....

....

....

.... | गुण : २ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७	

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''बेटा ! तुम्हें साधु होना है ?''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

२. ''तुम यदि इस कार्य का संकल्प नहीं करते तो तुम्हारी कमी है और हम उसको पूरा करने में सहयोग न दें तो हमारी कमी है ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

३. ''आप समाधि में बैठ जाइये, और महाराज से निवेदन कीजिये ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. मातापिता ने लड़के के शरीर पर कपड़ा डाल कर बगल के दूसरे घर में रख दिया ।

....

....

....

....

.... गुण : २

२. शास्त्रीजी महाराज को आणंद गाँव से स्टेशन और स्टेशन से गाँव के चार चक्कर काटने पड़े ।

....

....

....

....

.... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	

३. बोचासण मंदिर की प्रतिष्ठा में विघ्न करनेवालों की बचीखुची हिम्मत भी टूट गई ।

....

....

....

....

....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. अजातशत्रु । २. मार्ग हरि का है शूरों का । ३. अभयदान देने की आज्ञा ।

( ) ....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११	

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. शास्त्रीजी महाराज का जन्म कहाँ और कब हुआ था । (संवत्, तिथि) | गुण : १ | |

....

....

२. कौन से दो हेतु से भगतजी ने यज्ञपुरुषदासजी को राजकोट पढ़ाई करने का आदेश दिया ? | गुण : १ | |

....

....

३. शास्त्रीजी महाराज ने भगतजी महाराज का सम्मान कहाँ और कौन से उत्सव पर करवाया ? | गुण : १ | |

....

....

४. स्वामीजी की ८० वीं जन्म जयन्ती मनाने का किसने सब से प्रथम संकल्प किया और कहाँ मनाई गई ? | गुण : १ | |

....

....

५. विद्वानों, धर्मपरायण और ज्ञानियों को कितनी आँखें होती हैं ? | गुण : १ | |

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. विषम देशकाल | गुण : २ | |

(१) [ ] कातिल विष वाली खिचड़ी पत्तल में परोसी गई ।

(२) [ ] मुझे कुछ भी होनेवाला नहीं है, आप लोग चिन्ता न करें ।

(३) [ ] कातिल विष वाली कढ़ी पत्तल में परोसी गई ।

(४) [ ] मुझे निंद्रा आ जाएगी, आप लोग चिन्ता न करें ।

२. शेषनाग के माथे पर खूँटा | गुण : २ | |

(१) [ ] करसनजी खातेदार खूँटा उखाडने को तैयार हुए ।

(२) [ ] करसनजी खातेदार ने खूँटा उखाडकर फेंक दिया ।

(३) [ ] खातेदारजी, ये खूँटे शेष नाग के माथे पर पड़े है, इसलिये इनको हटाने का प्रयास न कीजियेगा ।

(४) [ ] खूँटे की नोक पर लगा लहू देखकर खातेदार धबड़ाया ।

३. अटूट विश्वास | गुण : २ | |

(१) [ ] स्वामीश्री की आज्ञा से सोमा भगत एक रस्से के बल पर लटकते पत्थर पर चढ़ गये ।

(२) [ ] सोमा भगत ने तूटे हुए छः रस्सें बाँध दिये ।

(३) [ ] स्वामीश्री की आज्ञा से सोमा भगत दो रस्सें के बल पर लटकते पत्थर पर चढ़ गये ।

(४) [ ] सोमा भगत ने तूटे हुए चार रस्सें बाँध दिये ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **अजोड़ विद्वत्ता :** गुणातीतानन्द स्वामी के समाधिस्थान पर अक्षरदेरी में मूर्तिप्रतिष्ठा का अवसर था । इसलिये रघुवीरजी महाराज गोंडल पधारनेवाले थे । योगीजी महाराज भी रंगाचार्यजी के साथ गोंडल जाने के लिए रवाना हुए ।

उ. ....

....

.... गुण : १

२. **प्रागजी भक्त से प्रभावित :** उनकी सारी रात तो बर्तन मांझने की सेवा में बीतती थी । रात को वे जागा भक्त की कथावार्ता सुनने को जाते थे । सुबह तक कथा सुनते थे ।

उ. ....

....

.... गुण : १

३. **अक्षरपुरुषोत्तम की माधुकरी :** गढ़डा में भी योगीजी महाराज झोला लेकर माँगने निकलते थे । प्रमुखस्वामी आग्रहपूर्वक मना करते थे और कहते थे कि हम सब लोग आपके शिष्य हैं, फिर भी आप भिक्षा माँगने को क्यों जाते हैं ?

उ. ....

....

.... गुण : १

४. **निर्गुणदास स्वामी का अक्षरवास :** उग्रप्रकृति के इस सन्त को उग्र होने का - गुस्सा करने का शौक न था, वे हमेशा संस्था के पक्ष में दृढ़ रहते थे, संस्था के सुखदु:ख को अपना सुखदु:ख मानकर वे संस्था की अपूर्व सेवा करते थे ।

उ. ....

....

.... गुण : १

५. **आपत्तियों का आरम्भ :** 'बागीओ, विमुखो ! अब तो रहने दो' और कई अपशब्द सुनाये फिर भी योगी महाराज के कथाप्रवाह में कोई रुकावट नहीं हुई । इससे उनका क्रोध और भी बढ़ा । वे वहीं बगल में पड़ी हुई ईटें-ढेले उस मन्दिर पर फेंकने लगे जहाँ कथा हो रही थी ।

उ. ....

....

.... गुण : १

६. **गृहत्याग :** दिवाली-उत्सव के बाद झीणा भक्त आचार्य महाराज की आज्ञा से कृपानन्द स्वामी के साथ वलाक प्रदेश में धर्मार्थ चन्दा इकट्ठा करने के लिये घूमने गये । वहाँ पर भी दालान-आँगन की सफाई की, पानी छिड़कने की और मन्दिर की सेवा में हाथ बँटाते थे ।

उ. ....

....

.... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें